गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 323
दि. 27.03.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

ग्लोबल मंच पर भारत की दमदार एंट्री, जी 7 समिट में शामिल होने के लिए फ्रांस जाएंगे पीएम मोदी

(जीएनएस)।

पीएम मोदी जून में जी7 समिट के लिए फ्रांस जाएंगे। इससे पहले एस.जयशंकर और जीन नोएल बैरोट की बैठक में पश्चिम एशिया संकट और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा पर चर्चा हुई, जो भारत-फ्रांस संबंधों की मजबूती को दशार्ता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 17 जून तक होने वाले जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए फ्रांस की यात्रा पर जाने वाले हैं। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फ्रांस दौरे के दौरान जीन नोएल बैरोट से एबे डे वॉ-डे-सेर्ने में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने G7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत की भूमिका और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग को लेकर विस्तार से चर्चा की।

फ्रांस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने G7 में भारत के योगदान खासकर वैश्विक आर्थिक असंतुलन और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी जैसे मुद्दों को महत्वपूर्ण बताया। साथ

ही यह भी रेखांकित किया गया कि फ्रांस अपनी G7 अध्यक्षता के दौरान भारत को एक प्रमुख साझेदार के रूप में शामिल करने को विशेष महत्व दे रहा है।

बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके कारण ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहे असर पर भी चर्चा हुई। दोनों देशों ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित और खुला बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। जयशंकर के इस दौरे को भारत-फ्रांस रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

मजबूत होते भारत-फ्रांस के रिश्ते

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी भारत का दौरा कर चुके हैं, जहां दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने पर जोर दिया था।

पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर, भारत सरकार स्थिति पर लगातार नजर

(जीएनएस)।

पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर, भारत सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारी और कार्रवाई संबंधी उपाय कर रही है। ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री संचालन और क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के लिए समर्थन सहित प्रमुख पहलुओं पर अद्यतन जानकारी नीचे दी गई है।

ऊर्जा आपूर्ति और ईंधन की उपलब्धता

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने के कारण, भारत सरकार ने देश भर में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए कई उपाय किए हैं। वर्तमान स्थिति का विवरण नीचे दिया गया है:

कच्चा तेल/रिफाइनरी

सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है।

घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों से एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाया गया है।

रिटेल आउटलेट

देशभर में सभी खुदरा दुकानें सामान्य रूप से चल रही हैं।

कुछ क्षेत्रों में अफरा-तफरी मचने से खरीदारी की खबरें - कुछ अफवाहों के चलते कुछ राज्यों में खुदरा दुकानों पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके परिणामस्वरूप दुकानों पर असामान्य रूप से अधिक बिक्री और भारी भीड़ देखने को मिली। हालांकि, यह सूचित किया जाता है कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

सरकार जनता को अफवाहों पर विश्वास न करने की सलाह दोहराती है।

प्राकृतिक गैस

डी-पीएनजी और सीएनजी-परिवहन को शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है।

ग्रिड से जुड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत के बराबर है।

भारत सरकार ने सीजीडी संस्थाओं को सलाह दी है कि वे अपने सभी गैस क्षेत्रों में रेस्तरां, होटल और कैंटीन जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए पीएनजी कनेक्शन को प्राथमिकता दें, ताकि वाणिज्यिक एलपीजी की उपलब्धता से संबंधित चिंताओं का समाधान किया जा सके।

आईजीएल, एमजीएल, गेल गैस और बीपीसीएल जैसी सीजीडी कंपनियों ने घरेलू और वाणिज्यिक पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहन की पेशकश की है।

भारत सरकार ने राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों और केंद्रीय मंत्रालयों से सीजीडी नेटवर्क के विस्तार के लिए आवश्यक आवेदनों की मंजूरी में तेजी लाने का अनुरोध किया है।

भारत सरकार ने 18.03.2026 के पत्र के माध्यम से सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी का अतिरिक्त 10 प्रतिशत आवंटन देने की पेशकश की है, बशर्ते वे एलपीजी से पीएनजी में दीर्घकालिक परिवर्तन में सहायता कर सकें।

कुछ राज्यों ने राइट ऑफ यूजर/राइट ऑफ वे (आरओयू/आरओडब्ल्यू) की अनुमति तेजी से प्राप्त करने, काम के घंटे बढ़ाने और आरओयू/आरओडब्ल्यू शुल्क को युक्तिसंगत बनाने के लिए नीतियां बनाई हैं।

भारत सरकार के उपरोक्त पत्र के जवाब में, पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने अपने सभी कार्यालयों को सीजीडी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर अर्थात प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निपटान करने की सलाह दी है।

भ पीएनजीआरबी ने अपने दिनांक 23.03.2026 के आदेश के माध्यम से सभी सीजीडी संस्थाओं को निर्देश दिया है कि वे आवासीय स्कूलों और कॉलेजों, छात्रावासों, सामुदायिक रसोई, आंगनवाड़ी रसोई आदि को पीएनजी के माध्यम से 5 दिनों के भीतर जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास करें, जहां भी पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर आसपास के क्षेत्र में उपलब्ध है।

28 मार्च को पीएम मोदी उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री लगभग 11,200 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को सड़क, रेल, मेट्रो और क्षेत्रीय परिवहन प्रणालियों के निर्बाध जुड़ाव के साथ बहु-मोडल परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है

हवाई अड्डे में एक बहु-मोडल कार्गो हब भी शामिल है, जिसे प्रति वर्ष 2.5 लाख मीट्रिक टन से अधिक माल ढुलाई के लिए तैयार किया गया है, इस क्षमता को लगभग 18 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जा सकता है

हवाई अड्डे की प्रारंभिक यात्री संचालन क्षमता 12 मिलियन यात्री प्रति वर्ष (एमपीपीए) होगी, जिसे 70 मिलियन एमपीपीए तक बढ़ाया जा सकता है

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। सुबह लगभग 11:30 बजे वे गौतम बुद्ध नगर में जेवर स्थित नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 12 बजे प्रधानमंत्री नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन भारत के वैश्विक विमानन केंद्र बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश द्वार के रूप में परिकल्पित यह हवाई अड्डा, देश के हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संपर्क को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के लिए दूसरे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया गया है, जो इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का पूरक है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगों की हुई मौत का स्वतः संज्ञान लिया है

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उस मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के लालाचेरुवु, चौदेश्वरननगर और स्वरूपनगर क्षेत्रों में फरवरी के मध्य से अब तक मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगों की मौत हो चुकी है। कम से कम चार अन्य लोगों का भी इसी तरह के लक्षणों के साथ चिकित्सा उपचार चल रहा है। खबरों के अनुसार दूध में एथिलीन ग्लाइकॉल नामक विषैला पदार्थ मिलाया गया था, जिसके कारण कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया। मिलावट का संदिग्ध स्रोत नरसपुरम गांव में स्थित एक डेयरी है, जो क्षेत्र के 100 से अधिक घरों को दूध की आपूर्ति करती है।

आयोग ने कहा है कि समाचार रिपोर्ट में उल्लिखित तथ्य, यदि सत्य हैं, तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मुद्दा बनता है। अतः आयोग ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि रिपोर्ट में मृतकों की स्वास्थ्य स्थिति, जांच और मृतकों के परिजनों को यदि कोई मुआवजा दिया गया हो, तो उसका विवरण शामिल होना चाहिए।

23 मार्च 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लोगों के बीमार पड़ने के मामले फरवरी 2026 के मध्य में सामने आए, जब पीड़ितों को पेट दर्द, उल्टी, पेशाब न आना और गुर्दे की गंभीर खराबी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होने लगीं। इन पीड़ितों में अधिकतर या तो बुजुर्ग व्यक्ति थे या छोटे बच्चे।

सीएम योगी बोले- जरूरत पड़ने पर ही लें पेट्रोल-डीजल, कहीं कमी नहीं; अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

लखनऊ/गोरखपुर (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जरूरत होने पर ही खरीदारी करने की अपील की। प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर चल रही चचाओं के बीच राज्य सरकार ने गुरुवार को साफ किया कि प्रदेश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद विभाग, रणवीर प्रसाद ने कहा कि सभी जिलों में मांग के अनुसार पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है और कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है।

प्रदेश सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों के आधार पर घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी न करें। सरकार के मुताबिक हाल के दिनों में सोशल मीडिया के जरिए कुछ भ्रामक संदेश फैलाए जा रहे हैं, जिनमें ईंधन की कमी की बात कही जा रही है। इन

सूचनाओं को गलत बताते हुए प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह शरारती तत्वों की हरकत है। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों की स्थिति पर नजर रखें

प्रदेश सरकार ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों की स्थिति पर नजर रखें और कहीं भी आपूर्ति बाधित न होने दें। तेल कंपनियों के साथ लगातार समन्वय बनाकर अतिरिक्त आपूर्ति की व्यवस्था भी रखी गई है, ताकि किसी भी स्थिति में आम लोगों को परेशानी न हो।

सरकार ने यह भी कहा है कि अनावश्यक रूप से ईंधन का भंडारण करने से आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव पड़ता है। इसलिए आम लोग संयम बरतें और सामान्य जरूरत के अनुसार ही खरीदारी करें। प्रदेश सरकार ने भरोसा दिलाया है कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

श्री वी. एल. कांता राव ने जल सचिवों के क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सचिव श्री वी. एल. कांता राव ने तेलंगाना में राज्य जल सचिवों के क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की

सम्मेलन में चल रही योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई और जल क्षेत्र में केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की गई

(जीएनएस)।

जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) के सचिव श्री वी. एल. कांता राव ने तेलंगाना के डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान में आयोजित क्षेत्रीय राज्य जल सचिवों के सम्मेलन की अध्यक्षता की। इसमें ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु के जल संसाधन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। केरल, पुदुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप

समूह जल क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर एक साथ उपस्थित हुए। दिन भर चलने वाले सम्मेलन में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, नई दिल्ली के अधिकारियों और विभाग के 15 प्रमुख संगठनों के प्रमुख शामिल हुए।

सम्मेलन के मुख्य उद्देश्यों में शामिल राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में विभाग की चल रही योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा शामिल थी; इन राज्यों में विभाग के संगठनों द्वारा किए गए कार्य, चल रही योजनाओं/परियोजनाओं और अंतर-राज्यीय मामलों के संबंध में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की चिंताओं को समझना; और केंद्र-राज्य समन्वय और साझेदारी के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को और मजबूत करने के लिए इन पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

सम्मेलन के दौरान राज्य सरकार के अधिकारियों ने योजना के कार्यान्वयन की स्थिति, केंद्र सरकार से अपेक्षाओं और जल संसाधन के क्षेत्र में संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में संबंधित बाधाओं का वर्णन किया। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सचिव ने प्राथमिकता वाले कार्यों की समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के लिए चल रही परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और केंद्र-राज्य समन्वय में अंतराल को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कवच कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की

रेलवे की कवच के अंतर्गत विकसित स्वदेशी यूनिवर्सल ब्रेकिंग प्रणाली, कवच 4.0 के त्वरित कार्यान्वयन में सहायक होगी

कवच के अंतर्गत एआई आधारित केंद्रीकृत निगरानी मंच, "सुरक्षा", यातायात निगरानीकताओं को असामान्य घटनाओं के बारे में सचेत करेगा और इस प्रकार उनकी समयबद्ध कार्रवाई से हमारी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में सहायता करेगा

(जीएनएस)।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे की स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित रेलगाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली कवच की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में तैनाती में तेजी लाने और अधिक कुशल रेलगाड़ी संचालन सुनिश्चित करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कवच को आगे बढ़ाने वाली तकनीकी प्रगति

भारतीय रेलवे ने कवच में कई अत्याधुनिक सुधार किए हैं। यूनिवर्सल ब्रेकिंग प्रणाली (यूबीए), जो विभिन्न निमार्ताओं के ब्रेकिंग कर्व्स को मानकीकृत करता है, अंतरसंचालन सुनिश्चित करता है और बार-बार होने वाले परीक्षणों को समाप्त करता है। बेसलाइन सॉफ्टवेयर, एआई-संचालित डिजाइन स्वचालन और लोकोमोटिव, इंटरलॉकिंग प्रणाली और ट्रैक मशीनों के लिए एकीकरण इंटरफेस में महत्वपूर्ण उन्नयन प्रणाली की मजबूती को और बढ़ा रहे हैं।

'समाजवादी पार्टी का ल्यारी राज'; लखनऊ की सड़कों पर लगे अखिलेश के खिलाफ पोस्टर, फिल्म धुरंधर की चर्चा

लखनऊ में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर लगाए गए हैं। इसमें अखिलेश सरकार के कार्यकाल की घटनाओं का जिक्र किया गया है।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजनीति में फिल्म 'धुरंधर 2' ने अलग ही हंगामा मचाया हुआ है। माफिया डॉन अतीक अहमद की तरह दिखते किरदार की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठन से कनेक्शन मामले ने राजनीति गरमाई है। वहीं, अब अखिलेश यादव के शासनकाल को फिल्म में दिखाई गई जगह ल्यारी से तुलना की गई है। करांची के ल्यारी की अपराध और राजनीति के घालमेल को इस फिल्म में दिखाया गया है। फिल्म से प्रेरित होकर भारतीय किसान मंच के अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने लखनऊ की सड़कों पर पोस्टर लगवाया है। इसमें लिखा गया है, 'सपा का ल्यारी राज, न भूले हैं न भूलेंगे'। अब इस पर राजनीति गरमाती दिख रही है।

क्यों गरमाया है विवाद?

लखनऊ की सड़क पर एक पोस्टर लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस पोस्टर को भारतीय किसान मंच के अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी की ओर तैयार कराया गया है। वे कहते हैं कि फिल्म 'धुरंधर' को लेकर लगातार गतिविधियां चल रही हैं।

वे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को उनके शासनकाल की घटनाओं की याद ताजा कराते दिखते हैं। देवेंद्र तिवारी कहते हैं कि राज्य में तब लगातार बलात्कार, हत्याएं और लूटपाट हो रही थी, अतीक अहमद जैसे अपराधी वहां मौजूद थे। अब इस मामले ने प्रदेश की राजनीति को गरमा दिया है।

देवेंद्र तिवारी ने क्या कहा?

भारतीय किसान मंच के अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने पोस्टर लगाए जाने के मामले में बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि लगातार 'धुरंधर' मूवी को लेकर के एक्टिविटी चल रही है(मैं यह कहना चाहता हूं कि पूर्व सीएम अखिलेश यादव को यह देखना चाहिए, जब उनका राज था, प्रदेश को लगातार बलात्कार, हत्याएं, डकैती, लूट जैसी घटनाओं में झोंक रखा था।

देवेंद्र तिवारी ने कहा कि जगह-जगह दंगे हो रहे थे। क्राइम कंट्रोल नहीं हो पा रहा था। बहन बेटियों की इज्जत लुट रही थी। 2012 से 2017 का जो कालखंड था, प्रदेश में कोई व्यक्ति, कोई व्यापारी, कोई अन्य वर्ग सुरक्षित नहीं थे। बहन-बेटी उस समय असुरक्षित थी। जगह-जगह क्राइम हो रहे थे। लोग मारे जा रहे थे। ल्यारी जैसी स्थिति प्रदेश की बनी हुई थी।

देवेंद्र तिवारी ने कहा कि उस काल में अतीक अहमद जैसे अपराधियों को खुली छूट मिली थी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उसे मिट्टी मं मिलाया है।

सम्पादकीय

भारतीय जहाजों को भी होर्मुज स्ट्रेट जल-डमरू से गजर सकने की सुविधा

राहत की खबर, ईंरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया कि उसके देश ने भारत, रूस, चीन, इराक और पाकिस्तान के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी गईं है। साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने शत्रु देशों के जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति बिल्वुल नहीं देगा। दरअसल दुनिया का 20 प्रातिशत नौ परिवहन तेल और गैस सिलेंडर लेकर इसी संकरे समुद्री रास्ते से गुजरता है। अब ईंरान ने इसी रास्ते को हथियार बना लिया है और ऊर्जा संकट की शुरूआत हो गईं। अब ईंरानजलड मरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से मोटी फीस वसूल रहा है। यह सच है कि जहां ईंरान ने यह तय कर लिया है कि वह अमेरिका के साथ अब कोईं भी समझौता नहीं करेगा। इसका मतलब यह हुआ कि तेहरान तब तक लड़ेगा जब तक उसके पास लड़ने की ताकत है। इस बात को और स्पष्ट करें तो तात्पर्य यह है कि ईंरान को इस बात की कोईं परवाह नहीं है कि उसका भविष्य क्या है। दूसरी तरफ अमेरिका ने अपने मित्र देशों को जो उसके साथ हमेशा खड़े रहते थे, उन्हें टैरिफ मुद्दे को लेकर इतना नाराज कर दिया है कि उसके अनुरोध को कोईं मान ही नहीं रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रांस, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा, जर्मनी, इटली जैसे अपने परम्परागत सहयोगी देशों से कहा कि वे ईंरान के खिलाफ अपने जहाज भेजें किन्तु किसी भी देश ने उसकी बात मानी ही नहीं, सभी ने गोलमोल जवाब देकर किनारा कर लिया। ये वे देश हैं जो अमेरिका के इशारे पर अपनी वूटनीति और रणनीति बनाते थे। बात यहीं तक नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि कभी अमेरिका की एक आवाज पर उसके लिए मरने और मारने के लिए तैयार रहने वाले देश अब ईंरान को संकेत दे रहे हैं कि उनकी उससे कोईं दुश्मनी नहीं है। यह सच है कि आज ईंरान के अस्तित्व के लिए खतरा नहीं है, खतरा मौजूदा नेतृत्व के अस्तित्व के सामने है लेकिन इजरायल के लिए ईंरान के परमाणु कार्यव्रम जरूर चुनौती बनकर खड़े हैं। इजरायल में कोईं भी सरकार हो वह ईंरान के परमाणु कार्यव्रमों पर हमले की कोशिश जरूर करेगा। इसलिए जब तक ईंरान और इजरायल के बीच संबंधों को सामान्य बनाने वाली कोईं सरकार ईंरान में नहीं आती तब तक इसी तरह बवाल होता रहेगा। असल में इजरायल 2021-22 में खाड़ी के देशों से अपने संबंध तेजी से एक बार फिर सुधार रहा था। यूएईं और सऊदी अरब से उसके व्यापारिक व वूटनीतिक रिश्ते तेजी से सुधर रहे थे। किन्तु यह देखकर ईंरान को लगा कि इससे तो इजरायल स्वीकार्यता इस्लामिक देशों में बढ़ जाएगी। सुप्रीम लीडर ने हमास से 7 अक्टूबर को निदरेष इजरायली नागरिकों पर हमला करवा दिया। इसके बाद इजरायल ने हमास को नेस्तनाबूद करने का संकल्प ले लिया। किन्तु ईंरान ने इसके बाद अपने परमाणु हमले का डर दिखाकर फिर सीधे इजरायल को चुनौती दी। यहीं से ईंरान निशाने पर आ गया और इजरायल ने अमेरिका को ईंरान के साथ युद्ध में पूरी तरह शामिल कर लिया। अब अमेरिका और इजरायल को सोचना है कि वे युद्ध कहां तक आगे बढ़ा सकते हैं जबकि ईंरान रिवोल्यूशनरी गार्ड के नेतृत्व में चल रही तेहरान की सत्ता को यह तय करना है कि उन्हें अब इस युद्ध को आगे बढ़ाने से क्या मिलने वाला है। इस वक्त ईंरान में कोईं सुप्रीम लीडर नहीं है इसलिए रिवोल्यूशनरी गार्ड पैसले भी ले रहा है और उसे लागू भी कर रहा है। इस बात को स्पष्ट करना जरूरी है कि अयातुल्लाह खामेनेईं के जिस बेटे को सुप्रीम लीडर बनाया गया था उस पर भी हमला हुआ है और वह कोमा में है, जब कि उसके बेटे को इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने पहले ही मार दिया है। यही कारण है कि ईंरान में सत्ता परिवर्तन की पूरी संभावना है लेकिन ईंरान चाहता है कि वह सब वुछ इतनी आसानी से अमेरिका की चाहत को पूरा नहीं होने देगा। बहरहाल ईंरान पांच देशों के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति देकर इतना संकेत तो दे ही दिया कि जो देश उसके खिलाफ खड़े नहीं हैं, उन्हें वह परेशान नहीं करना चाहता।

श्रीलंका के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण का अध्ययन करने के लिए डीडीडब्ल्यूएस का दौरा किया

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने जेजेएम और एसबीएम-जी डिवीजनों द्वारा प्रस्तुत ज्ञानवर्धक प्रस्तुति साझा की

(जीएनएस)।

श्रीलंका की संसद की इंफ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक विकास संबंधी क्षेत्रीय निगरानी समिति का एक उच्च स्तरीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल वर्तमान में एक सप्ताह के आधिकारिक अध्ययन दौरे पर भारत में है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सांसद (अध्यक्ष) श्री एस.एम. मारिक्कर कर रहे हैं।

इस यात्रा के अंतर्गत, जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने यात्रा को सुगम बनाया और आज दोपहर गणमान्य व्यक्तियों के लिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) और स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) पर एक विस्तृत प्रस्तुति का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के दौरान डीडीडब्ल्यूएस के सचिव श्री अशोक के.के. मीना, एनजेजेएम के अपर सचिव और मिशन निदेशक श्री कमल किशोर सोआन और डीडीडब्ल्यूएस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए, ग्रामीण एवं ग्रामीण जल संसाधन विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के सचिव श्री अशोक के.के. मीना ने भारत के मार्गदर्शक सिद्धांत पर प्रकाश डाला कि केंद्र और राज्य सरकारें स्थानीय सरकारों, विशेष रूप से ग्राम पंचायतों के लाभ के लिए बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू करती हैं, ताकि वे जमीनी स्तर पर लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रभावी ढंग से प्रदान कर सकें। उन्होंने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को अवगत कराया कि भारत ग्रामीण पेयजल और स्वच्छता से संबंधित दो प्रमुख मिशनों: वर्ष 2019 में शुरू किया गया जल जीवन मिशन (जेजेएम) और वर्ष 2014 में शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) को लागू कर रहा है।

उन्होंने इन दोनों मिशनों के कार्यान्वयन से भारत को प्राप्त प्रमुख सीखों को चार मुख्य बिंदुओं में साझा किया :

ग्राम पंचायतों के माध्यम से विकेंद्रीकरण और समुदाय-नेतृत्व वाली सेवा वितरण प्रणाली, जिससे समुदाय जल और स्वच्छता सेवाओं का स्वामी और प्रबंधक बन सके।

सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय।

मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से पारदर्शिता, दक्षता, तत्क्षण निगरानी और शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग।

योजना के डिजाइन में स्थिरता, जिसमें दूषित जल का प्रबंधन, वर्षा जल संचयन और सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांत शामिल हैं।

सत्र को आगे बढ़ाते हुए, जेजेएम और एसबीएम-जी के अधिकारियों द्वारा विस्तृत प्रस्तुति दी गई। जेजेएम के निदेशक श्री हरि नारायणन मुरुगन ने पेयजल क्षेत्र में भारत-श्रीलंका सहयोग पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति की यात्रा की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अपनी बात शुरू की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि 15 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से घोषणा की थी कि देश के प्रत्येक ग्रामीण घर को उनके दरवाजे पर पाइप द्वारा पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऐतिहासिक घोषणा के परिणामस्वरूप जल जीवन मिशन का शुभारंभ हुआ, जिसमें सभी ग्रामीण घरों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान करने की प्रतिबद्धता शामिल है।

पेयजल की व्यापक पहुंच के लिए इस मिशन को पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित किया गया है, जिनमें मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त सार्वजनिक वित्तपोषण, साझेदारी, जन भागीदारी और ग्राम पंचायतों के साथ समन्वय स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि मिशन की शुरूआत लगभग 55 अरब डॉलर के बजट से हुई थी, जिसे अब बढ़ाकर लगभग 92 अरब डॉलर कर दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में नल के पानी की उपलब्धता में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है, जो 17 प्रतिशत से बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई है और अब 15 करोड़ से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन उपलब्ध है।

अपनी बातों को जारी रखते हुए श्री हरि ने बताया कि मिशन का विस्तारित चरण एक क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा, जिसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10 मार्च, 2026 को मंजूरी दी थी। मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाकर जेजेएम 2.0 के रूप में विस्तारित किया गया है और इसके लिए बजट भी बढ़ाया गया है। सरकार संरचनात्मक सुधारों, निरंतर जन भागीदारी, परिचालन और वित्तीय स्थिरता, नागरिक-केंद्रित जल गुणवत्ता प्रबंधन और सुजलम भारत राष्ट्रीय परिसंपत्ति रजिस्ट्री के माध्यम से डिजिटल डेटा प्रबंधन पर विशेष बल दे रही है। मिशन का उद्देश्य हर स्तर पर स्पष्ट भूमिका निर्धारण, ग्राम पंचायतों और जिला तकनीकी इकाइयों को सशक्त बनाकर और एक पेशेवर उपयोगिता दृष्टिकोण अपनाकर यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक ग्रामीण जल आपूर्ति योजना अगले 30 वर्षों तक पूरी तरह से कार्यरत रहे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जेजेएम 2.0 इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित दृष्टिकोण से हटकर संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) दृष्टिकोण की ओर अग्रसर है, जो जन भागीदारी पर केंद्रित है। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम), राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन (एसडब्ल्यूएसएम), जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएसएम) और जल अर्पण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि न केवल प्रत्येक ग्रामीण घर को सुनिश्चित नल का पानी उपलब्ध कराया जाए, बल्कि देश में एक पारदर्शी और दीर्घकालिक ग्रामीण जल के इकोसिस्टम के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल भी उपलब्ध कराया जाए।

एसबीएम-जी की उप सचिव श्रीमती कृतिका कुलहारी ने श्रीलंका के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के समक्ष स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण: भारत की ग्रामीण स्वच्छता यात्रा - ओडीएफ से ओडीएफ प्लस (मॉडल) विषय पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

प्रस्तुति में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण की यात्रा अक्टूबर 2014 में शुरू हुई, जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से इस मिशन का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाना था। 2 अक्टूबर, 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर इस मिशन को और गति मिली, जब देश भर के सभी जिलों और गांवों ने स्वयं को ओडीएफ घोषित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) (एसबीएम-जी) ने प्रथम चरण में खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति प्राप्त करने से लेकर द्वितीय चरण में ओडीएफ परिणामों को बनाए रखने और व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन तक का सफर तय किया है, जिसमें गांवों को ओडीएफ प्लस और "आदर्श गांव" बनाने पर जोर दिया गया है।

जन आंदोलन के व्यापक जन आंदोलन के माध्यम से, वर्ष 2019 तक शत-प्रतिशत कवरेज हासिल किया गया, जिसमें 12 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया। यह उपलब्धि संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 6.2 को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने एसबीएम-जी चरण-2 के प्रमुख घटकों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें शामिल हैं:

शेष और नए व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों (आईएचएचएलएस) का निर्माण

सामुदायिक स्वच्छता परिसर (सीएससी), विशेष रूप से प्रवासी आबादी और भूमिहीन परिवारों के लिए

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (जैव अपघटनीय, गैर-जैव अपघटनीय और प्लास्टिक अपशिष्ट)

तरल अपशिष्ट प्रबंधन (ग्रेवाटर और मल कीचड़)

सतत व्यवहार परिवर्तन के लिए गहन सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) और क्षमता निर्माण

उन्होंने कहा कि इस मिशन के तहत, व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण के लिए 12 हजार रुपये का प्रोत्साहन दिया जाता है, जिसमें गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति परिवारों, दिव्यांगजनों, भूमिहीन मजदूरों, लघु एवं सीमांत किसानों और महिला प्रधान परिवारों को प्राथमिकता दी जाती है। मिशन के शुभारंभ के बाद से अब तक 12 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण हो चुका है। इसके अतिरिक्त, देश भर में 2.72 लाख से अधिक सामुदायिक स्वच्छता परिसर बनाए गए हैं।

दो प्रस्तुतियों के बाद, एक खुला और संवादात्मक चर्चा सत्र आयोजित किया गया, जिसके दौरान श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल ने सतत ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता अवसंरचना के लिए भारत के सफल दृष्टिकोणों पर सक्रिय रूप से विचारों का आदान-प्रदान किया।

मंच को संबोधित करने के क्रम में, श्रीलंकाई प्रतिनिधियों ने प्रमुख चुनौतियों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि जल निकायों में पारे से संबंधित प्रदूषकों सहित भारी धातुओं का उच्च स्तर बना हुआ है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। उन्होंने जल उपचार के आर्थिक बोझ के बारे में बताया कि श्रीलंका में उपचारित पेयजल का उपयोग न केवल पीने के लिए बल्कि धुलाई, सफाई और अन्य घरेलू कार्यों के लिए भी किया जाता है। इस बहुउद्देशीय उपयोग से लागत में काफी वृद्धि होती है, क्योंकि शुद्धिकरण में किए गए भारी निवेश का उपयोग पीने योग्य मानकों से परे अन्य कार्यों के लिए किया जाता है, जिससे लागत कम हो जाती है। इन प्रमुख मुद्दों के आधार पर, प्रतिनिधियों ने भारी धातुओं को हटाने के लिए सहयोगात्मक नवाचारों और किफायती प्रौद्योगिकियों पर जोर दिया और डीडीडब्ल्यूएस भागीदारों से किफायती और व्यापक जल प्रबंधन समाधान साझा करने का आ'न किया।

सत्र के समापन के बाद, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की संयुक्त सचिव (जल) श्रीमती स्वाति मीना नाइक ने अपने समापन भाषण में पेयजल एवं स्वच्छता क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आपसी समझ, ज्ञान साझाकरण और निरंतर द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से भारत और श्रीलंका जल प्रबंधन एवं स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए एक मजबूत साझेदारी स्थापित कर सकते हैं।

जन्नतुल बकी के विध्वंस के विरोध में आज शहीद स्मारक पर जुटेगा शिया समुदाय

लखनऊ। सऊदी सरकार द्वारा लगभग 100 वर्ष पूर्व मदीना स्थित पवित्र 'जन्नतुल बकी' के कब्रिस्तान में पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद की सुपुत्री हजरत फात्मा (स.अ.) और उनके परिवार की पवित्र कब्रों को ध्वस्त किए जाने के विरोध में आज राजधानी में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।

ऑल इण्डिया शिया हुसैनी फण्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमे संस्था के अध्यक्ष मोहम्मद जकी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें इस क्रूर फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि संस्था इस वर्ष भी होने वाले विश्वव्यापी विरोध प्रदर्शन का पूर्ण समर्थन करती है।

प्रदर्शन का विवरण:

नेतृत्व मौलाना यासूब अब्बास

स्थान शहीद स्मारक, लखनऊ

समय दोपहर 12:30 बजे

ALL INDIA SHIA HUSAINI FUND LUCKNOW
ऑल इण्डिया शिया हुसैनी फॅण्ड, लखनऊ

प्रतिभागः संस्था के महासचिव हसन मेंहदी (झब्बू) के नेतृत्व में सभी सदस्य और पदाधिकारी प्रदर्शन में शामिल होंगे।

विशेष व्यवस्थाः भीषण गर्मी को देखते हुए शिया हुसैनी फण्ड द्वारा प्रदर्शनकारियों और आम जन के लिए मोबाइल पानी की सबील (चलती-फिरती प्याऊ) का विशेष प्रबंध किया गया है।

संस्था के पदाधिकारियों का कहना है कि हर वर्ष ईद माह (शव्वाल) की 8 तारीख को पूरा विश्व इस काले दिवस को मनाता है और हमारी मांग है कि पवित्र मजारों का पुनः निर्माण कराया जाए।

आम चुनाव और उपचुनाव 2026: 400 करोड़ रुपये से अधिक जब्ती

(जीएनएस)।

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव और 6 राज्यों में उपचुनाव के लिए 15 मार्च, 2026 को होने वाले चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया है। आयोग ने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

इस बात की ओर ध्यान दिलाया गया है कि आयोग ने चुनाव वाले 5 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और उनके 12 सीमावर्ती राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, सीईओ, डीजीपी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की थी, जिसमें तैयारियों की समीक्षा की गई, समन्वय को बढ़ाया गया और उन्हें 24 मार्च, 2026 को हिंसा-मुक्त, धमकी-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था।

इसे सुनिश्चित करने के लिए, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 5,173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए गए हैं ताकि शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के भीतर किया जा सके। इसके अलावा, विभिन्न स्थानों पर अचानक नाकेबंदी करने के लिए 5,200 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) भी तैनात की गई हैं ।

26 फरवरी को इलेक्ट्रॉनिक जब्ती प्रबंधन प्रणाली (ईएसएमएस) के सक्रिय होने के बाद से, 25 मार्च, 2026 तक, विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में कई प्रवर्तन एजेंसियों के समन्वित दृष्टिकोण के माध्यम से 408.82 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध वस्तुएं जब्त की गई हैं, जिनमें 17.44 करोड़ रुपये नकद, 37.68 करोड़ रुपये (16.3 लाख लीटर) की शराब, 167.38 करोड़ रुपये की ड्रग्स, 23 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और 163.30 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अन्य मुफ्त वितरण वाली वस्तुएं शामिल हैं।

आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया है कि प्रवर्तन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन निदेशों के प्रवर्तन के लिए की जाने वाली जांच और निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत के निवारण के लिए जिला शिकायत समितियां भी गठित की गई हैं।

नागरिक/राजनीतिक दल सी-विजिल मॉड्यूल का उपयोग करके आदर्श आचार संहिता के उल्लंघनों की रिपोर्ट कर सकते हैं।

ईसीआईएनईटी.

15 मार्च से 25 मार्च तक, आम चुनाव और उपचुनाव वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सी-विजिल ऐप के माध्यम से 70,944 शिकायतें दर्ज की गई हैं । इनमें से 70,831 शिकायतों का निपटारा हो चुका है और 67,899 शिकायतें, यानी 95.8 प्रतिशत शिकायतें, 100 मिनट के भीतर हल हो गईं।

शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित की गई है जिसमें कॉल सेंटर नंबर 1950 भी शामिल है, जिसके माध्यम से जनता का कोई भी सदस्य या राजनीतिक दल संबंधित डीईओ/आरओ के पास शिकायत दर्ज करा सकता है।

कलर्स का डॉ. आरंभि व मन्नत हर खुशी पाने की महासंगमः एक सशक्त महिला गठबंधन का प्रदर्शन

दोनों सबसे पसंदीदा फैमिली ड्रामा अब एक साथ लौट रहे हैं! डॉ. आरंभि और 'मन्नत हर खुशी पाने की' कलर्स पर एक धमाकेदार महासंगम लेकर आ रहे हैं, जिसमें भरपूर होगा स्पेक्टेकल, इमोशन और जबरदस्त टकराव। इस खास क्रॉसओवर में दिखेगा कि जब एक महिला दूसरी महिला का साथ देती है, तो कहानी में कैसे बड़ा मोड़ आता है। इस एपिसोड में आरंभि (ऐश्वर्या खरे) अपनी दुनिया से आगे बढ़कर मानत (आयेशा सिंह) की उथल-पुथल भरी जिंदगी में कदम रखती हैं जहां महत्वाकांक्षा की कीमत चुकानी पड़ती है, ताकत कई रूपों में छिपी होती है और जीने के लिए हिम्मत चाहिए। सहजता और सहानुभूति से जुड़ी ये दोनों महिलाएं सिर्फ जवाबों के लिए नहीं, बल्कि अपने विश्वासों के लिए लड़ती हैं।

सलूजा मैन्शन में विक्रांत (अदनान खान) और याशिका (लीना जुमानी) का भव्य संगीत समारोह शुरू होता है। जो रात संगीत और जश्न से सजी थी, वह जल्द ही भावनाओं के प्रेशर कुकर में बदल जाती है। मानत एक ही मकसद लेकर आती है अर्जू. की असली पहचान उजागर करना। वह साहसिक कदम उठाते हुए उसका ड्रिंक स्पाइक करती है, जो या तो उसका राज खोल देगा या पूरी तरह उल्टा पड़ सकता है। जैसे-जैसे गुस्सा बढ़ता है और रिश्तों की वफादारी टूटने लगती है, आरंभि सामने आती है और मानत का मजबूती से साथ देती है। वह हर कदम पर मानत को सपोर्ट करती है और सच को सामने लाने में मदद करती है। आरंभि के साथ होने से दांव और ऊंचे हो जाते हैं और टकराव और भी तीव्र। लेकिन जब हालात चरम पर पहुंचते हैं, क्या अर्जू. को आखिरकार अपनी असली पहचान बतानी पड़ेगी?

आयेशा सिंह, जो मन्नत हर खुशी पाने की में मानत का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं, 'मानत की यात्रा हमेशा से दृढ़ता की रही है ऐसे सपने देखने की, जिन्हें समाज बार-बार सीमित करने की कोशिश करता है। वह लड़ाइयों से अनजान नहीं है; बल्कि उसने कई लड़ाइयाँ अकेले लड़ी हैं, अपनी ताकत और विश्वास पर भरोसा करके। लेकिन इस बार वह अकेली नहीं है। उसके साथ आरंभि है—एक उद्धारकर्ता नहीं, बल्कि एक मजबूत साथी, जो मुश्किल वक्त में उसकी ताकत बढ़ाती है। महिलाएं अक्सर एक जैसी सामाजिक दबावों और जीवन के मोड़ों से गुजरती हैं, और यही इस रिश्ते को इतना नैचुरल बनाता है। यह लेन-देन नहीं है, बल्कि साझा अनुभव और सच्चे सपोर्ट से आता है। किसी दूसरी महिला द्वारा समझे जाने और सपोर्ट किए जाने में एक अद्भुत ताकत है। उम्मीद है कि यह महासंगम उन सभी महिलाओं से जुड़ पाएगा जो रोजमर्रा की जिंदगी में एक-दूसरे को संभालती हैं।'

ऐश्वर्या खरे, जो डॉ. आरंभि में आरंभि का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं, 'आरंभि अब एक नए दौर में कदम रख रही है, जहां उसका मकसद और महत्वाकांक्षा उसे आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन इस पल में उसकी ताकत का अलग रूप दिखता है। जब वह मानत से मिलती है, तो उसे वही मोड़ याद आता है जहां वह खुद खड़ी थी—सवालों में घिरी, कोने में धकेली गई, लेकिन झुकने को तैयार नहीं। उनका रिश्ता सहानुभूति से जन्म लेता है। आरंभि मानती है कि जब महिलाएं एक-दूसरे की

लड़ाइयों को पहचानती हैं, तो वे हीलिंग पैदा करती हैं। यह बेहद ताकतवर संदेश है, जो बताता है कि सामूहिक कार्रवाई से हम असली दुनिया में भी उन चीजों को बदल सकते हैं, जिन्होंने हमें पीछे खींचा है।'

'मन्नत' ७ 'डॉ. आरंभि' का महासंगम एपिसोड देखें शाम 7:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी का मनाया गया बलिदान दिवस

(जीएनएस)।

फतेहपुर। जनपद के वर्मा चौराहा स्थित अमर चेतना कार्यालय में बुधवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तत्वावधान में पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी का बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया तथा एक गोष्ठी आयोजित की गई। इसके पहले सभी ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

गोष्ठी में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय सदस्य अमरजीत सिंह ने कहा कि धारदार कलम को अपना हथियार बनाकर स्व. गणेश शकर विद्यार्थी ने आजादी की लड़ाई को जनांदोलन बनाने का काम किया था। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर पत्रकारों को आदर्श राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लेना होगा। संघ के जिलाध्यक्ष कुमुद तिवारी ने कहा कि यह जीवन ईश्वर का सबसे अनुपम उपहार है और इसे सामाजिक सेवा में लगाना इसकी सार्थकता को सिद्ध करना है। सामाजिक सेवा का सबसे उत्कृष्ट क्षेत्र पत्रकारिता है। वरिष्ठ पत्रकार त्रिवेणी मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता की धार पैनी करनी हो तो हमें गणेश शकर विद्यार्थी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी होगी। वहीं मंडल महामंत्री सुजान सिंह गौतम ने उनके निडर पत्रकारिता के आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला और निर्भीक होकर पत्रकारिता करने की सलाह दी। इस अवसर पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र श्रीवास्तव, मंडल सचिव विमल सिंह, शेखर अवस्थी, महेश त्रिपाठी, चेतन बाजपेई, प्रवीण पाण्डेय,भूपेंद्र प्रताप सिंह, मोईन, गोपी तिवारी, सत्यम सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

रामायण समापन के बाद हुआ भंडारा, ग्रहण किये प्रसाद

(जीएनएस)।

खखरेरू। नगर पंचायत क्षेत्र के पनिहा बाबा देवस्थान पर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत ग्रुप) की ओर से अखंड रामायण का आयोजन किया गया था।

रामायण समाप्ति के पश्चात यूनियन के द्वारा भंडारा कराया गया। इसमें गुरसंडी, तक्कीपुर, कठरिया, भूरुही, दरियामऊ, गुरगौला और जयरामपुर समेत आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुबह से देर शाम तक भंडारा चलता रहा। संगठन के पदाधिकारियों ने व्यवस्थाएं संभालते हुए श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित ढंग से प्रसाद वितरण

कराया। इस मौके पर केपी सिंह (जिला सचिव), विद्याशंकर मिश्र (जिलाध्यक्ष, शिक्षा प्रकोष्ठ), धनंजय (जिला संगठन मंत्री), जितेंद्र सिंह (जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष), अंबोल सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष) के साथ अरविंद तिवारी, अशोक सिंह, धीरेंद्र सिंह, मनोज श्रीवास्तव और भरत सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

माध्यमिक शिक्षक संघ का वार्षिक चुनाव संपन्न -गठित हुई नई कार्यकारिणी

(जीएनएस)।

खखरेरू। फतेहपुर में माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) का वार्षिक चुनाव जिला संरक्षक प्रधानचार्य तरुण कुमार की अध्यक्षता में उत्साह, अनुशासन और लोकतांत्रिक माहौल में संपन्न हुआ।

इसमें प्रदेश संरक्षक डॉ. हरि प्रकाश यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा, प्रदेश आय-व्यय निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह तथा मंडल अध्यक्ष अटेवा राकेश सिंह मौजूद रहे। सभी ने संगठन की मजबूती और शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। चुनाव प्रक्रिया के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद पर वीरेंद्र कुमार (जनता इंटर कॉलेज, छिवलहा) निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष के रूप में नीलम गौतम, और पंकज, महामंत्री दिनेश कुमार सैनी, कोषाध्यक्ष विपिन गुप्ता तथा आय-व्यय निरीक्षक राम बाबू मौर्य चुने गए। चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ, जिसकी उपस्थित शिक्षकों ने सराहना की। कार्यक्रम में प्रयागराज से पहुंचे जिला मंत्री डीपी यादव और मंडलीय मंत्री लक्ष्मी नारायण सिंह की भी विशेष उपस्थिति रही। प्रदेश संरक्षक डॉ. हरि प्रकाश यादव ने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों के अधिकार, सम्मान और सेवा सुरक्षा के लिए संगठन की एकजुटता बेहद जरूरी है। उन्होंने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी से करने की अपील की। इस मौके पर अमित कुमार, सत्येंद्र पटेल, सुरेंद्र सिंह यादव, दीपक यादव, दिवाकर यादव, दीपक सिंह, अर्पित सचन, हीरालाल, पंकज कुमार, श्याम सुंदर गुप्ता, गोविंद पाल, सुनील कुमार, विक्रम सिंह, रामबाबू मौर्य, विपिन कुमार, राम दर्शन, नीलम गौतम, तरुण कुमार सिंह, विपिन गुप्ता सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम में संगठनात्मक एकता और उत्साह का माहौल देखने को मिला। अंत में प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने तथा शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प दिलाया।

30 मार्च को 16 विभूतियों को मिलेगा तिरंगा अवार्ड

लखनऊ, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्था एलायंस सोशल एण्ड कल्चरल सोसाइटी की अर्शफाबाद सआदतगंज लखनऊ में संपन्न हुई बैठक में आगामी 30 मार्च को राय उमानाथ बलि प्रेक्षागृह कैसरबाग में 16 विभूतियों को तिरंगा अवार्ड देने का निर्णय लिया गया।

बैठक में एलायंस सोशल एण्ड कल्चरल सोसाइटी के सचिव दिलावर हुसैन बताया कि इस वर्ष 2026 का तिरंगा अवार्ड रत्नकुमार श्रीवास्तव रत्न उपसचिव सचिवालय उ.प्र., डा. ऋषि अस्थाना निदेशक/प्रोफेसर गोयल इंस्टीट्यूट, डा. सलामत खॉन सर्जन, डा. संजीव मोहन चिकित्सक के.जी.एम.यू. सर्जन, डा. अनीता सहगल वसुन्धरा अभिनेत्री/लेखिका, राजेश कुमार जायसवाल फिल्म निमार्ता/निर्देशक,

प्रदीप कौशल श्रीवास्तव रंगकर्मी, यश पाल सिंह राघव, शेख शहनवाज चेयरमैन नगीना नगर पालिका, बिजनौर, इरफान अली खिलाड़ी रेसर, सोनी त्रिपाठी गायक/संगीतकार, अलंकार रस्तोगी साहित्यकार, संतोष प्रकाश समाजसेवी बाराबंकी, मुश्ताक अहमद रत्न विशेषज्ञ, रोहित कुमार मीत अध्यक्ष मीत फाउन्डेशन और शिवानी वर्मा सौन्दर्य विशेषज्ञ को विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जायेगा।

उन्होंने बताया कि समारोह के मुख्य अभ्यागत सुधीर. एस. हलवासिया वरिष्ठ भाजपा नेता, मुरलीधर आहूजा और विशिष्ट अतिथि डा. अखिलेश निगम आई.पी.एस. आई.जी. (सी.आई.डी.), मो.साद सिद्दीकि, डा. संदीप कुमार गुप्ता -सर्जन, मंजूशा भारती और मुन्ना सिंह यादव होंगे। इस अवसर पर याद-ए-रफी के अंतर्गत मो. रफी के गाए गीतों की प्रस्तुतियां भी होंगी। बैठक में असलम जावेद सिद्दीकी, शाद सिद्दीकी, मोहम्मद अशफाक और रईस अहमद उपस्थित थे।

16 वर्षीय किशोरी के अपहरण से मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

(सोनभद्र)। स्थानीय थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद परिजनों में दहशत का माहौल है और बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग तेज हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनपरा कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने थाना अनपरा में तहरीर देकर बताया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री बीते दिनों शाम करीब 4:10 बजे घर से बाहर गई थी, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की, लेकिन किशोरी का कोई सुराग नहीं लग सका।

पीड़ित पिता ने आरोप लगाया है कि बैकुंठपुर (जिला कोरिया, छत्तीसगढ़) निवासी आशिक उर्फ मन्नू पुत्र राम अवतार, उसके भाई का लड़का निहाल तथा प्रियंका देवगन उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गए हैं। पिता ने आशंका जताई है कि इन तीनों ने मिलकर उनकी बेटी का अपहरण किया है।

तहरीर के आधार पर थाना अनपरा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक सचचिता नंद दास को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, परिजन लगातार पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

लखनऊ के आउटर रिंग रोड पर ओमैक्स लेकर आया प्रीमियम ऑफिस स्पेस से लेकर रीटेल स्पेस

एससीआर को लुभा रहा है ओमेक्स ग्रुप का 'हाई स्ट्रीट' ऑफिस स्पेस

लखनऊ, 26 मार्च 2026 झ ओमैक्स ग्रुप लखनऊ की आउटर रिंग रोड पर 'हाई स्ट्रीट' नाम से प्रीमियम प्रोजेक्ट लेकर आया है। यह प्रोजेक्ट ओमैक्स मेट्रो सिटी में स्थित है, जहां सभी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। यहां स्थित कमर्शियल स्पेस में न सिर्फ एक प्रीमियम एक्सपीरियंस मिलेगा बल्कि निवेशकों के लिए लॉयल्टी बेनिफिट की भी व्यवस्था होगी।

ओमैक्स हाई स्ट्रीट में ऑफिस स्पेस लेने वालों को भविष्य में रिटेल स्पेस, होटल सुइट्स बैंक्वेट, मार्केट, मल्टीप्लेक्स आदि की सुविधाएं एक ही स्थान पर सुलभ होगीं। राजधानी लखनऊ में प्राइम लोकेशन पर स्टेट

कैपिटल रीजन के निवासियों और व्यवसायियों को यह प्रोजेक्ट काफी पसंद आ रहा है। आउटर रिंग रोड पर स्थित इस प्रोजेक्ट को इसकी लोकशन और भी खास बनाती है। 104 किलोमीटर लंबे 8-लेन आउटर रिंग रोड किसान पथ प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर, हरदोई, रायबरेली, सुल्तानपुर सहित 10 प्रमुख शहरों को जोड़ता है। आउटर रिंग रोड के आसपास के क्षेत्र कमर्शियल और रेजिडेंशियल डेवलपमेंट के उभरते हुए जोन हैं, जो लखनऊ को एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हाई स्ट्रीट प्रोजेक्ट में विकास की अपार संभावनाएं हैं। यह एक वन-स्टॉप शॉप है, जहां सभी प्रीमियम ब्रांड्स और मल्टीनेशनल कंपनियों (एमएनसी) के लिए सभी सुविधाएं मौजूद होंगी। कॉर्पोरेट सेक्टर को प्रीमियम फील प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया यह प्रोजेक्ट आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जैसे हाई-स्पीड कनेक्टिविटी, पर्याप्त पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था और ग्रीन एरिया आदि।

ओमैक्स ग्रुप के बिजनेस हेड और सीनियर वाइस प्रेजिडेंट श्री अंजनी कुमार पांडेय ने कहा, "ओमैक्स हाई स्ट्रीट न केवल व्यावसायिक सफलता का प्रतीक है, बल्कि निवेशकों के लिए एक लाभदायक अवसर भी है। लखनऊ में तेजी से बढ़ते कमर्शियल स्पेस में यह प्रोजेक्ट एक मील का पत्थर साबित होगा।

ईद के अवसर पर कस्बा सुमेरगंज में एक पारिवारिक कार्यक्रम का आयोजन

बाराबंकी के सुमेरगंज बाजार रामसनेहीघाट क्षेत्र में बीते 24 घंटे के भीतर तीन कैबिनेट मंत्रियों का आगमन हुआ। मंत्रीगण सौहार्द और खुशियों के प्रतीक पावन पर्व ईद के अवसर पर कस्बा सुमेरगंज में एक पारिवारिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रफ्तार मीडिया के यूपी हेड वरिष्ठ पत्रकार शाहिद सिद्दीकी की 10 माह की पुत्री शिजा नाज के आशीर्वाद समारोह में देर रात्रि प्रदेश के कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने शाहिद सिद्दीकी के आवास पर पहुंचकर परिवारजनों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए उनकी बेटी शिजा नाज को आशीर्वाद दिया और उज्वल भविष्य की कामना की। वहीं

बुधवार की सुबह एमएसएमई मंत्री राकेश सचान बाराबंकी सुमेरगंज पहुंचे और परिवार से मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। वहीं पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयबीर सिंह भी शाहिद सिद्दीकी की आवास पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह ने भी ईद की बधाई देते हुए बच्ची के उज्जवल भविष्य की कामना की इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों एवं पत्रकारों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया मौके पर साहित्य के पिता अख्तर हुसैन भाई तारीक सिद्दीकी और डॉक्टर रमेश सिंह ने सभी अतिथियों का बुके एवं अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया। वरिष्ठ पत्रकार शाही सिद्दीकी ने बताया कि मंत्रियों ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद समय निकालकर उनके आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर जो स्नेह और सम्मान दिया वहां उनके लिए अत्यंत गर्व और खुशी की बात है । उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम के दौरान जेल अधीक्षक बाराबंकी उप अधीक्षक बाराबंकी उप जिलाधिकारी रामसनेहीघाट क्षेत्राधिकार रामसनेहीघाट कोतवाल रामसनेहीघाट पुलिस मौजूद रही और कार्यक्रम शांतिपुर ढंग से संपन्न हुआ इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह जैसा माहौल बना रहा मंत्रियों ने उपस्थित लोगों को ईद की बधाई देते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।

तेलीबाग बाजार में लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा सैकड़ो व्यापारियों को नोटिस दिए जाने से व्यापारी आक्रोशित

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता की उपस्थिति में ,तेलीबाग मार्केट में व्यापारियों ने की बड़ी बैठक, आंदोलन की बनाई रणनीति

जिन बाजारों में 90% से अधिक व्यावसायिक गतिविधियां हो रही है उन्हें मार्केट स्ट्रीट घोषित किया जाए: संजय गुप्ता

तेलीबाग मार्केट को मार्केट स्ट्रीट घोषित किए जाने की व्यापारियों ने की मांग

तेलीबाग बाजार में 29 मार्च से 2 अप्रैल तक आदर्श व्यापार मंडल चलाएगा, हस्ताक्षर अभियान

क्षेत्रीय विधायक ,नगर विकास मंत्री, रक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर तेलीबाग बाजार को मार्केट स्ट्रीट घोषित किए जाने की मांग करेंगे, तेलीबाग के व्यापारी

सालों साल पुराने भवनों से मानचित्र मांगना एवं सीलिंग की कार्रवाई का नोटिस देने का कोई औचित्य नहीं: संजय गुप्ता

जोनल प्लान एवं मास्टर प्लान में तेलीबाग बाजार को मार्केट स्ट्रीट के रूप में शामिल किया जाए :संजय गुप्ता

26 मार्च ,बृहस्पतिवार ,लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा तेलीबाग बाजार के सैकड़ो व्यापारियों को उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा के अंतर्गत कार्रवाई किए जाने की नोटिस दिए जाने से आक्रोश व्याप्त हो गया

नोटिस के खिलाफ एकजुट होते हुए तेलीबाग मार्केट के व्यापारियों ने "उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, तेलीबाग बाजार "के तत्वाधान में तेलीबाग बाजार में व्यापारियों की एक बड़ी बैठक आयोजित की जिसमें सैकड़ो की संख्या में व्यापारी शामिल हुए

बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित हुए

तेलीबाग के व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता को लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा सालों साल पुराने भवनों से मानचित्र की मांग किए जाने की नोटिस दिये जाने की जानकारी दी व्यापारियों ने बताया अनेक भवन 50 साल पहले के बने हुए हैं ,कुछ भवन 30- 40 साल पहले के बने हुए हैं, कुछ भवन 15 साल पहले के बने हुए हैं ऐसे में सालो साल पुराने भवनों से मानचित्र मांगने का कोई औचित्य नहीं है

व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता से कहा जिस समय यह भवन बन रहे थे उस समय लखनऊ विकास प्राधिकरण विभाग एवं विभाग के अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया उसी समय विभाग को कार्रवाई करनी चाहिए थी लेकिन अब जब व्यापारियों ने इन भवनों में अपनी दुकान खरीद ली है और अपना व्यापार करके जीविकोपार्जन कर रहे हैं ऐसे में व्यापारियों को सीलिंग का नोटिस देना अन्यायपूर्ण है

प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा जो बाजारे स्वाभाविक रूप से जनता की आवश्यकता अनुसार 90% से अधिक व्यवसायिक प्रयोग में आ रही है इन बाजारों को सरकार को स्वयं मार्केट स्ट्रीट घोषित करना चाहिए उन्होंने कहा इस संबंध में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल तेलीबाग बाजार में 29 मार्च से 2 अप्रैल तक हस्ताक्षर अभियान चला कर व्यापारियों की मांग का ज्ञापन तैयार कर ,क्षेत्रीय विधायक ,रक्षा मंत्री ,नगर विकास मंत्री एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर उनसे तेलीबाग बाजार को मार्केट स्ट्रीट घोषित किए जाने की मांग करेंगे तथा व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा साथ ही साथ लखनऊ की अन्य बाजार जैसे कपूरथला, पत्रकारपुरम ,सीतापुर रोड इन बाजारों को भी मार्केट स्ट्रीट घोषित किया जाना चाहिए

तथा जिस प्रकार से अनेक कालोनियों को नियमित किया जाता है उसी प्रकार से तेलीबाग बाजार के 15 साल से अधिक बने हुए पुराने भवनों को भी नियमित किया जाना चाहिए तथा जोनल प्लान और मास्टर प्लान में भी बदलाव कर तेलीबाग मार्केट को मार्केट स्ट्रीट के रूप में शामिल किया जाना चाहिए

प्रदेश संजय गुप्ता ने कहा इस संबंध में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल आवश्यकता पड़ने पर सड़कों पर उतर कर भी संघर्ष करेगा

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा किसी भी कीमत पर व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा उन्होंने कहा वैसे ही परंपरागत व्यापारी बहुत परेशान है ऐसे में लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई का नोटिस दिए जाना व्यापारियों को परेशान करने जैसा है

बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की तेलीबाग इकाई के अध्यक्ष राजन मिश्रा , तेलीबाग महामंत्री राजू बाजपेई ,कोषाध्यक्ष राजेश चावला, आलोक गोयल, आंचल साहू ,अशोक गुप्ता ,संदीप यादव, गोकरन नाथ यादव ,सुनील कुमार, हिमांशु शुक्ला ,संत कुमार यादव, अंकुर मिश्रा ,लक्ष्मी नारायण यादव, सुभाष अग्रवाल ,शेर अली ,बजरंग लोधी ,रिंकू सिंह ,राजेश मिश्रा, विनय सूदन, सचिन मिश्रा,प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल ,वरिष्ठ व्यापारी नेता मनीष पांडे सहित तेलीबाग बाजार के सैकड़ो की संख्या में व्यापारी मौजूद रहे

संजय गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल

शक्तिनगर पुलिस द्वारा गांजा की बरामदगी -आर पी सिंह

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, अपराध एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना शक्तिनगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है ।बुधवार को चेकिंग के दौरान अभियुक्ता कुसुम गुप्ता पत्नी राकेश कुमार साहू उर्फ गूडू निवासी चिल्काटाड़ बस्ती, शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्ता के कब्जे से 01 किग्रा 250 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। इस संबंध में थाना शक्तिनगर में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्ता के विरुद्ध विधिक

कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उ नि दिनेश गौतम थाना शक्तिनगर, राम बचन सिंह यादव ,का. अमृत लाल, अक्षय कुमार यादव, म का सुनीता यादव रही।

यूपी में अब झूठा मुकदमा दर्ज कराने वालों पर होगी कार्रवाई, DGP राजीव कृष्ण ने सभी पुलिस अधिकारियों को दिया आदेश

यूपी पुलिस अब झूठा मुकदमा दर्ज कराने वालों पर सख्त हो गई है। अगर अब कोई झूठा मुकदमा दर्ज कराया है और आरोपी निर्दोष मिलता है तो शिकायतकर्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में अब झूठा मुकदमा दर्ज कराने वालों की खैर नहीं होगी। डीजीपी राजीव कृष्ण ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गलत तथ्य पाए जाने पर और झूठी गवाही देने वाले के खिलाफ तुरंत मुकदमा दर्ज किया जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस तरह के मामलों में भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हाई कोर्ट ने पुलिस को दिए थे निर्देश

14 जनवरी 2026 को हाई कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि जांच के बाद अगर तथ्य गलत मिलते हैं तो उसकी

सूची तैयार की जाए और ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए।

निर्दोष पाए जाने पर जांच की जाएगी

डीजीपी राजीव कृष्ण ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी मामले की जांच के बाद पुलिस कोर्ट में फाइनल रिपोर्ट (क्लोजर रिपोर्ट) लगाती है। उसके बाद आरोपी निर्दोष पाया जाता है तो उसकी जांच की जाएगी कि पुलिस तंत्र का कहीं दुरुपयोग तो नहीं हुआ है।

जांच में ये सामने आता है कि शिकायतकर्ता या गवाह झूठे और भ्रामक तथ्यों की जानकारी दी है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित धाराओं के तहत मजिस्ट्रेट के सामने लिखित शिकायत पेश करना जरूरी होगा।

यूपी पुलिस हुई सख्त

बता दें कि लोग आपसी लड़ाई में फर्जी मुकदमा दर्ज करा देते हैं, जिसमें सुनवाई के दौरान आरोप गलत पाए जाते हैं। ऐसे कई मामले कोर्ट में रोज मिलते हैं। इसको देखते हुए हाई कोर्ट ने यूपी पुलिस को निर्देश दिए थे। अब पुलिस इस मामले में सख्त हो गई है। अगर अब कोई फर्जी मुकदमा और झूठी गवाही देता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नवरात्रि के अष्टमी पर शक्तिपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़ --आर पी सिंह

सोनभद्र। चैत्र नवरात्रि के अष्टमी तिथि के अवसर पर शक्तिनगर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 3 बजे भोर से ही मंदिर परिसर में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं और दिनभर भक्तों का आवागमन जारी रहा। श्रद्धालु मां के जयकारों के साथ पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना रहे थे।आपको बता दें कि यह प्राचीन मंदिर उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के अंतिम छोर पर स्थित शक्तिनगर में विराजमान है, जिसकी आस्था दूर-दूर तक फैली हुई है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर से जुड़ी एक रोचक

लोककथा भी प्रचलित है। कहा जाता है कि जब मंदिर के समीप रेल लाइन बिछाने का कार्य चल रहा था, तब रात में माता रानी स्वयं उस पटरी को उखाड़कर दूर फेंक देती थीं। बाद में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों द्वारा मां को मनाने के बाद रेल पटरी को मंदिर के पीछे से बिछाया गया।नवरात्रि के पावन अवसर पर यहां उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ सहित अन्य कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए स्थानीय शक्ति नगर थाना प्रभारी कमल नयन दुबे के साथ प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पूरे नवरात्रि पर्व के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

नशे में धुत युवती का सड़क पर हंगामा, वीडियो वायरल

ब्यूरो रिपोर्ट--स्नेहा जायसवाल

अनपरा (सोनभद्र)। स्थानीय थाना क्षेत्र के डिबुलगंज के पास एक कार सवार युवती द्वारा नशे की हालत में सड़क पर हंगामा करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक स्विफ्ट कार में सवार युवक और युवती रेनुकूट से अनपरा की ओर आ रहे थे। बताया जा रहा है कि दोनों नशे की हालत में थे। इसी दौरान

डिबुलगंज के पास उनकी कार किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, इस हादसे में दोनों को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वे बाल-बाल बच गए।

घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ लोग वीडियो बनाने लगे। इससे नाराज युवती ने सड़क पर ही हंगामा शुरू कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और युवक-युवती को हिरासत में लेकर थाने ले गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार चालक मध्य प्रदेश के सासन क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

'एलपीजी मतलब लापता गैस', अखिलेश यादव ने एलपीजी सिलेंडर के संकट पर घेरा, कहा- कोरोना के दिन याद आ गए

अखिलेश यादव ने यूपी में एलपीजी संकट और लंबी लाइनों को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला और कहा आज छढक्ष्ृ का मतलब लापता गैस हो गया, कोरोना के दिन याद आ गए।

लखनऊः (जीएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश में ईंधन संकट को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने एलपीजी की कमी और लंबी लाइनों पर सरकार की तैयारियों को नाकाफी बताया।

अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि आज एलपीजी का मतलब लापता गैस हो गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में लोग गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी लाइनों में खड़े नजर आ रहे हैं, लेकिन सरकार के पास इस समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं है।

भाजपा सरकार पर जनता को सिर्फ लाइन में खड़ा करने का आरोप

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने जनता को सुविधाएं देने के बजाय सिर्फ लाइन में खड़ा करना सिखाया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो साफ दिखाते हैं कि लोग गैस और पेट्रोल के लिए घंटों इंतजार करने को मजबूर हैं।

अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि अगर महीने की शुरूआत में ही लोग सिलेंडर भरवाने जाएं तो उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 'सरकार ने पहले से क्या तैयारी की थी?' यह सवाल उन्होंने सीधे प्रशासन पर रखा।

सिलेंडर का वजन घटाने पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव ने एलपीजी सिलेंडर के वजन को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 14.2 किलो के सिलेंडर को घटाकर 10 किलो करना अगर सरकार की रणनीति थी, तो उसके अनुसार सिलेंडरों की संख्या डेढ़ गुना बढ़ाई जानी चाहिए थी।

जब हर सिलेंडर में 4 किलो से ज्यादा गैस बच रही थी, तो उसे दूसरे सिलेंडरों में भरकर सप्लाई बढ़ाई जा सकती थी। लेकिन सरकार ने इस दिशा में कोई काम नहीं किया।

अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

कोरोना काल की याद दिला रहा ईंधन संकट

अखिलेश यादव ने इस स्थिति की तुलना कोरोना काल से करते हुए कहा कि उस समय भी लोग जरूरी चीजों के लिए लाइनों में खड़े थे और अब फिर वही हालात बनते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कोरोना के दिन याद आ गए हैं, जब लोग हर चीज के लिए लाइन में खड़े होते थे। आज भी वही तस्वीर नजर आ रही है।'

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने व्यवस्थाओं को सुधारने के बजाय हालात और खराब कर दिए। सपा प्रमुख ने चेतावनी दी कि जनता अब भी वही लाइन में लगाकर राजनीतिक सफाया करेगी।

ऊर्जा संकट के बीच एनसीएल का राष्ट्र की ऊर्जा संरक्षा में अहम योगदान

रेल द्वारा देश के विभिन्न विद्युत इकाइयों को एक दिन में 57 रैक कोयला भेजकर एनसीएल ने रचा इतिहास।

(जीएनएस)।

सोनभद्र। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर उत्पन्न युद्धजनित परिस्थितियों के कारण ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। ऐसे कठिन ऊर्जा परिदृश्य में विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कोल इंडिया की सिंगरौली स्थित प्रमुख अनुषंगी कंपनी, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

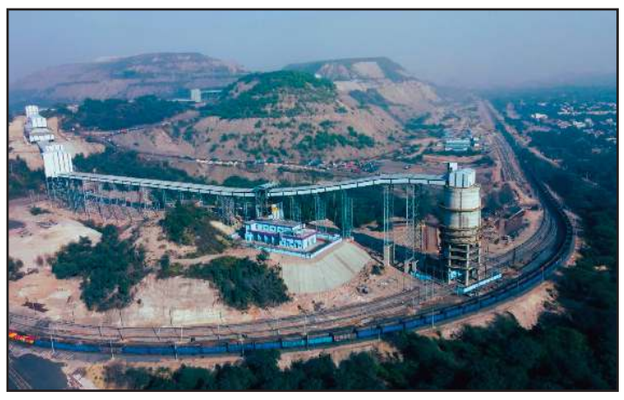

एनसीएल ने रविवार को दूरस्थ ताप विद्युत इकाइयों को रिकॉर्ड 57 रेलवे रैक कोयला प्रेषित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस दौरान एनसीएल द्वारा 4.14 लाख टन कोयला का प्रेषण किया गया, जिसमें रिकॉर्ड 2.2 लाख टन भारतीय रेल के माध्यम से भेजा गया तथा बाकी मात्रा एमजीआर सिस्टम, सड़क मार्ग एवं पाइप बेल्ट द्वारा प्रेषित की गई। जहां

दूरस्थ ताप विद्युत इकाइयों के लिए रेलवे के माध्यम से रिकॉर्ड स्तर पर रैक्स भेजे गए, वहीं पिट हेड पावर प्लांट्स को एमजीआर के जरिए पर्याप्त मात्रा में कोयला आपूर्ति सुनिश्चित की गई।

वर्तमान परिदृश्य में घरेलू उत्पादित कोयला एक भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोत की भूमिका निभा रहा है। एनसीएल का पिट हेड स्टॉक 8.3 मिलियन टन है, वहीं माइंस के अंदर कोयला एक्सपोजर 10.5 मिलियन टन है। सारांश में ताप विद्युत इकाइयों एवं अन्य उद्योगों की मांग को पूर्ण करने हेतु कंपनी पूरी तरह से तैयार है ।

'कोयला है तो भरोसा है' के ध्येय वाक्य के साथ एनसीएल तथा समूचा कोल इंडिया परिवार इस चुनौतीपूर्ण समय में राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है।

राज्यवार कोयला आपूर्ति की बात करें तो रविवार को एनसीएल ने मध्य प्रदेश को 13 रैक्स, उत्तर प्रदेश को 25 रैक्स, राजस्थान को 11 रैक्स, पंजाब को 4 रैक्स, हरियाणा को 2 रैक्स, गुजरात को 1 रैक तथा बिहार को 1 रैक कोयला भेजा। इस प्रकार एनसीएल ने 57 रैक्स का ऐतिहासिक प्रेषण दर्ज किया गया।

कंपनी राज्य विद्युत उत्पादन निगमों (रङ्ग्इ ॠ्रठउडर) के साथ-साथ स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (क्क्ढर) को भी निरंतर कोयला उपलब्ध करा रही है। इसके अतिरिक्त पिट हेड पावर प्लांट्स को भी एनसीएल प्रचुर मात्रा में कोयला प्रेषित कर रही है ' इसी क्रम में रविवार को एनसीएल ने 55 रैक कोयले की आपूर्ति पिट हेड पावर प्लांट्स को सुनिश्चित की है।

इस कठिन परिस्थिति में एनसीएल का यह प्रयास देश की ऊर्जा संरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु कटिबद्ध है ।

हीट वेव की समीक्षा की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, चलने लगा अश्लील वीडियो; थाने पहुंचा स्वास्थ्य विभाग

लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अश्लील वीडियो चलने का मामला सामने आया। स्वास्थ्य विभाग ने साइबर क्राइम में तहरीर दी है।

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यूपी की ब्यूरोक्रेसी में इस घटना की चर्चा हो रही है। दरअसल, मामला स्वास्थ्य विभाग की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षा बैठक का है। विभाग की ओर से आने वाले समय में प्रदेश में हीटवेव जैसी स्थिति से निपटने की योजना को लेकर समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। इसमें हीटवेव से निपटने की तैयारियों की समीक्षा चल रही थी। इसी दौरान अचानक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की स्क्रीन पर अश्लील वीडियो चलने लगा। इस अचानक हुई घटना से हर कोई हैरान रह गया। आनन-फानन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बंद की गई। इसके बाद मामले में थाने में केस दर्ज कराया गया।

अधिकारी-कर्मचारी रह गए हैरान

प्रदेश में हीटवेव से निपटने की

तैयारियों की समीक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग की वीडियो कांफ्रेंसिंग स्क्रीन पर अचानक अश्लील वीडियो चलने का मामला गरमा गया है। इस घटना से वीसी में शामिल अधिकारी-कर्मचारी हैरान रह गए। किसी को कुछ नहीं सूझा तो आनन-फानन में वीसी को बंद कर दिया गया। बैठक अहम थी। इसको लेकर प्रदेश के विभिन्न जिलों के अधिकारी ऑनलाइन जुड़े थे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान तकनीकी गड़बड़ी या किसी की शरारत के कारण आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित होने लगी। कुछ मिनट तक अधिकारी-कर्मचारी कुछ समझ ही नहीं पाए। इस घटना ने सभी को असहज कर दिया। इसके बाद तत्काल वीसी को बंद करने का निर्णय लिया गया।

साइबर क्राइम सेल में केस दर्ज

वीसी के दौरान अश्लील वीडियो प्रसारित होने के मामले ने लोगों को असहज कर दिया। अधिकारी इसे तकनीकी समस्या बताते रहे। स्वास्थ्य विभाग के सीनियर अधिकारी इस मामले में कोई जवाब देते नहीं दिखे। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के सीनियर अधिकारी डा. विकासेंदु अग्रवाल ने इस मामले में मीडिया के सवाल पर कहा कि मामले में साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई गई है।

विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने रामनवमी के अवसर पर प्रदेशवासिओं को दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने रामनवमी के पावन अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन भारतीय संस्कृति और आदर्शों का प्रतीक है। उन्होंने सत्य, मयार्दा, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलकर मानवता को एक नई दिशा प्रदान की। रामनवमी का यह पावन पर्व हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है।

श्री महाना ने कहा कि आज के समय में भगवान श्रीराम के आदर्शों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में नैतिकता, सहिष्णुता और सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि एक समृद्ध और सशक्त समाज का निर्माण हो सके।

उन्होंने प्रदेशवासियों से आ'ान किया कि इस पावन अवसर पर सभी लोग आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना को मजबूत करें तथा समाज और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें।

अंत में उन्होंने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

रिंकू सिंह बने यूपी में क्षेत्रीय खेल अधिकारी, जानिए कितनी मिलेगी सैलरी और क्या-क्या होंगे अधिकार

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर रिंकू सिंह को यूपी सरकार ने क्षेत्रीय खेल अधिकारी के पद पर तैनात किया है। आईपीएल शुरू होने से पहले उन्हें खुशखबरी मिली।

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को क्षेत्रीय खेल अधिकारी के पद पर तैनात किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ शीघ्र ही उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। दरअसल, लखनऊ में मंगलवार को रिंकू सिंह को नियुक्ति पत्र मिलना था, लेकिन वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए। इसके बाद रिंकू सिंह ने अपनी आईपीएल प्रतिबद्धताओं के कारण इस कार्यक्रम में शामिल न हो पाने की बात कही। इससे संबंधित वीडियो जारी किया। जल्द ही सीएम योगी से मुलाकात कर नियुक्ति पत्र लेने की बात कही।

क्रिकेटर रिंकू सिंह ने वीडियो जारी कर कहा कि मैं अभी आईपीएल 2026 की तैयारियों में जुटा हूं। कोलकाता नाइट राइडर्स के ट्रेनिंग कैंप में भाग ले रहा हूं। रिंकू को आईपीएल से पहले दोहरी खुशखबरी मिली है।

आईपीएल 2026 में उन्हें केकेआर की उप कप्तानी मिली है। साथ ही, यूपी सरकार ने उन्हें क्षेत्रीय खेल अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया गया है।

रिंकू सिंह को कौन पद मिलेगा?

रिंकू सिंह को यूपी सरकार ने क्षेत्रीय खेल अधिकारी (फ्रड) के पद पर तैनात किया है। यूपी सरकार में आरएसओ का पद सेकेंड ग्रेड का गजेटेड अफसर रैंक है। राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से होने वाली परीक्षा के तहत इस प्रकार के गजेटेड अफसर पद पर तैनाती होती है।

रिंकू सिंह क्या करेंगे?

यूपी सरकार ने हाल के समय में खेलों को लेकर लगातार काम किया है। प्रदेश में कई स्थानों पर इंटरनेशनल स्टेडियम के निर्माण की योजना पर काम चल रहा है। वाराणसी में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनकर तैयार हुआ है। वहीं, गोरखपुर में काम तेज है। गाजियाबाद में भी इंटरनेशनल स्टेडियम के निर्माण की योजना है। ऐसे में आरएसओ पद पर तैनात होने के बाद रिंकू सिंह अपने क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, खेल स्टेडियमों की देखरेख करने और नई प्रतिभाओं को निखारने में अहम भूमिका निभाएंगे।

रिंकू सिंह को कितना वेतन मिलेगा?

रिंकू सिंह गजेटेड अफसर बने हैं। क्षेत्रीय खेल अधिकारी के रूप में उनकी नियुक्ति सेकेंड ग्रेड अधिकारी के तौर पर होगी। ऐसे में रिंकू सिंह का वेतन इस ग्रेड के अधिकारियों के वेतन के आधार पर 70,000 रुपये से 80,000 रुपये मासिक के बीच हो सकता है।

औद्योगिक कचरे को सड़क निर्माण में इस्तेमाल करना भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था के विजन की कुंजी है - डॉ. एन. कलाइसेल्वी

कारखाने के कचरे का सड़क निर्माण में इस्तेमाल : स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सीएसआईआर-सीआरआरआई, आईआईएफ और सुयोग एलिमेंट्स ने हाथ मिलाया

(जीएनएस)।

स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्कुलर अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआरआरआई) सड़क निर्माण में अपशिष्ट फाउंड्री रेत (डब्ल्यूएफएस) के प्रभावी उपयोग के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।

इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए, भारतीय फाउंड्रीमैन संस्थान (आईआईएफ) ने सीएसआईआर-सीआरआरआई और सुयोग एलिमेंट्स के साथ सीएसआईआर विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली में एक सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)

समझौता किया है। यह समझौता वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग - डीएसआईआर की सचिव और सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन. कलाइसेल्वी की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। इस साझेदारी का उद्देश्य कोयंबटूर क्लस्टर के डब्ल्यूएफएस (वर्किंग स्ट्रक्चरल स्ट्रक्चर) के सड़क अवसंरचना में उपयोग के लिए नवीन, टिकाऊ और व्यापक समाधान विकसित करना और उन्हें सुगम बनाना है।

सीएसआईआर-सीआरआरआई, आईआईएफ और सुयोग एलिमेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान।

इस कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करते हुए डॉ. कलाइसेल्वी ने बताया कि

सड़क निर्माण में अपशिष्ट फाउंड्री रेत जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों का उपयोग सतत विकास और चक्रीय अर्थव्यवस्था के प्रति सीएसआईआर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस तरह की सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास पहल अपशिष्ट को मूल्यवान संसाधनों में बदलने में मदद करेगी और साथ ही राष्ट्र के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में भी सहयोग प्रदान करेगी।

सीएसआईआर विज्ञान केंद्र में सभा को संबोधित करते हुए, सीएसआईआर की महानिदेशक और डीएसआईआर की सचिव डॉ. एन.